भोले शंकर भोले सारे भगतो के रखवाले

भोले शंकर भोले सारे भगतो के रखवाले,
तीन लोक भण्डार भरे खुद भस्म रमाने वाले,
भोले शंकर भोले सारे भगतो के रखवाले,

गले में सर्पो की माला है भगल में उनके मृग शाळा है ,
हाथ में डमरू भाज रहा है त्रिभुन सारा नाच रहा है,
शीश जटा माथे चंदा भगतो का मन भी डोले,
भोले शंकर भोले सारे भगतो के रखवाले,

वो ही सब का दाता है उसका सब से नाता है,
उसकी शरण जो आएगा मुँह माँगा फल पायेगा,
दुनिया को भोजन देवे खुद खाये भंग के गोले,
भोले शंकर भोले सारे भगतो के रखवाले,

उसकी महिमा न्यारी है भोले ही संकट हारी है,
अमर नाथ है उसकी गुफा करले दर्शन इक गफा,
शिव शंकर महादेव है दाता उसका अब तो होले
भोले शंकर भोले सारे भगतो के रखवाले,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16185/title/bhole-shankar-bhole-sare-bhagto-ke-rakhwale

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |